RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 12th HISTORY

ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ

हड़प्पा सभ्यता

RAPID REVISION



वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.1 गुजरात में स्थित एक परिपक्व हड़प्पाई स्थल कौन-सा है?

(1)

A हड़प्पा → पाकिस्तान ✗

B लोथल → धोलावीरा, रंगपुर

C मोहनजोदड़ो

D बनावली → हरियाणा

1 Mark

Q.2 सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल 'बनावली' वर्तमान में किस राज्य में स्थित है?

(RBSE-2025, RBSE-2023)

A. उत्तर प्रदेश

B. राजस्थान

C. पंजाब

D. हरियाणा

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.3 सिंधु सभ्यता का स्थल कालीबंगन किस राज्य में स्थित है? (RBSE-2024)

जुते हुए खेत

A उत्तर प्रदेश

B राजस्थान

C पंजाब

D हरियाणा

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.4 सिंधु सभ्यता का स्थल धौलावीरा किस राज्य में स्थित है?

(Model Paper-2024, Model Paper-2023)

A राजस्थान

B गुजरात

C महाराष्ट्र

D उत्तर प्रदेश

धो ✓ लो ✓ र ✓

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.5 हड़प्पा अथवा सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु है—

A हड़प्पाई मोहर

B मृदभांड

C आभूषण

D औजार

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.6 हड़प्पा सभ्यता में बाट सामान्यतः किस पत्थर से बनाए जाते थे-



A सेलखड़ी

B चर्ट

C शीप

D शंख

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.7 पुरोहित राजा की मूर्ति प्राप्त हुई है—



A हड़प्पा

B मोहनजोदड़ो

C बनावली

D धोलावीरा

नृत्य

700 + कुछ .

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.8 भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल थे—

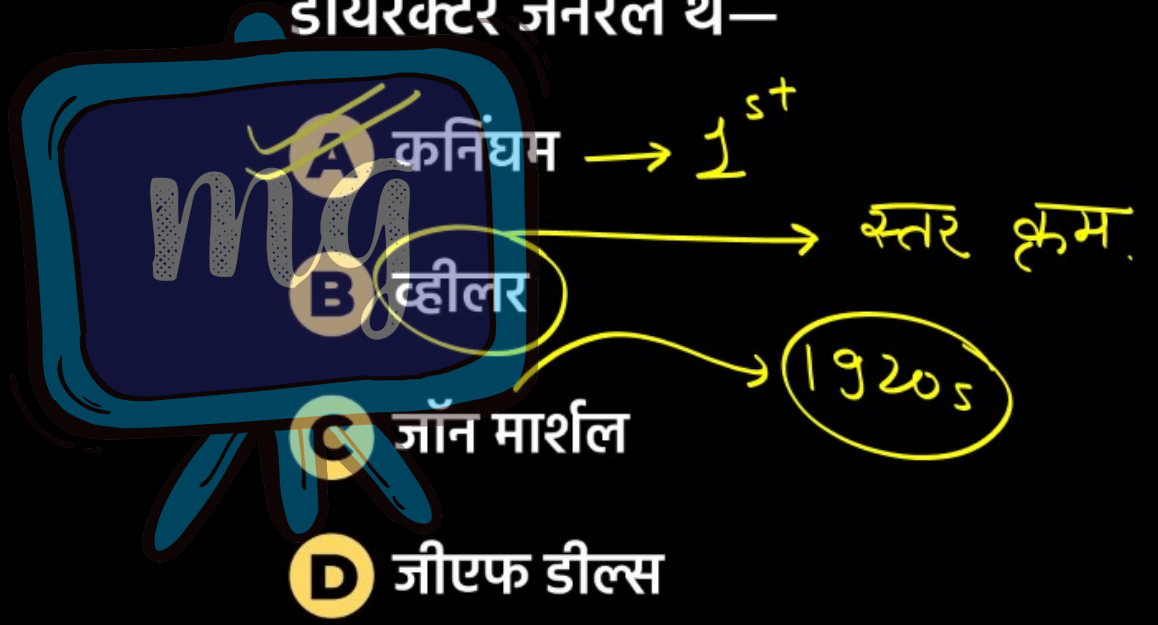

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.9 पुरातत्व की पद्धति में एक सैनिक शुद्धता का समावेश किसके द्वारा किया गया-



(A) कनिंघम

(B) व्हीलर

(C) जॉन मार्शल

(D) एस एन राय

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.10 मोहनजोदड़ो की सबसे विस्तृत इमारत है-

A स्नानागार

B माल गोदाम / अन्नागार

C स्नानागार

D निम्न में से कोई नहीं

1 Mark

Q.11 मिट्टी के हल के प्रतिरूप किन स्थानों से प्राप्त हुए हैं?

(A) कालीबंगन और लोथल

(B) चोलिस्तान के स्थल और बनावली

(C) नागेश्वर और बालाकोट

(D) हड़प्पा और मोहनजोदड़ो

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

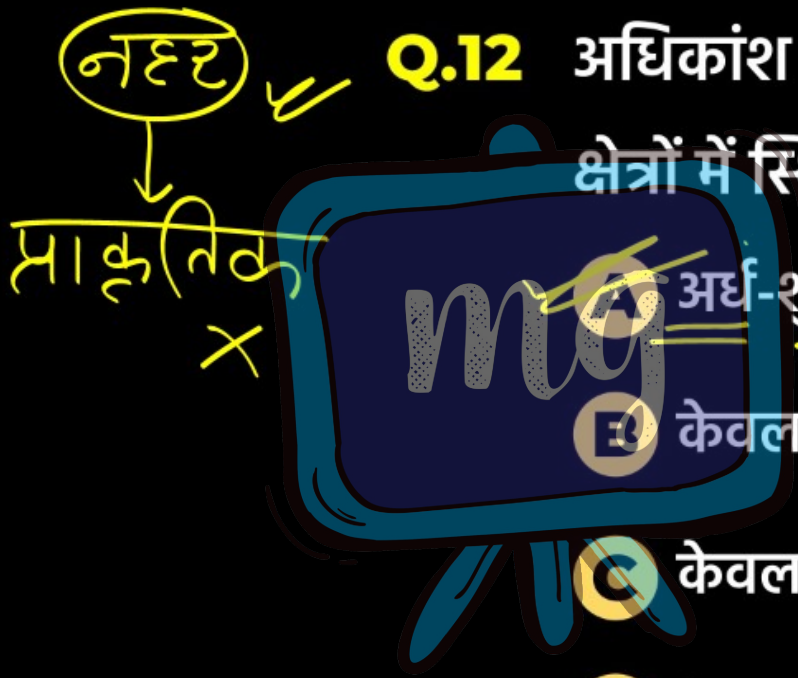

Q.12 अधिकांश हड़प्पाई स्थल किस प्रकार के क्षेत्रों में स्थित थे?

A अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में

B केवल समुद्र तट के समीप

C केवल कच्चे माल के स्त्रोतों के निकट

D केवल नदी-मार्गों के किनारे

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.13 जले हुए अनाज और बीजों का अध्ययन कौन करते हैं?

A पुरा-प्राणिविज्ञानी

B धातुकर्मी

C पुरा-वनस्पतिज्ञ

D शिल्पकार

1 Mark

Q.14 मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप किस स्थल से प्राप्त हुए हैं? (RBSE-2022)

A रोपड़

B धौलावीरा

C कालीबंगन

D बनावली

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.15 हड़प्पा सभ्यता में जुते हुए खेत का साक्ष्य कहाँ से मिला है?

(Model Paper-2025)

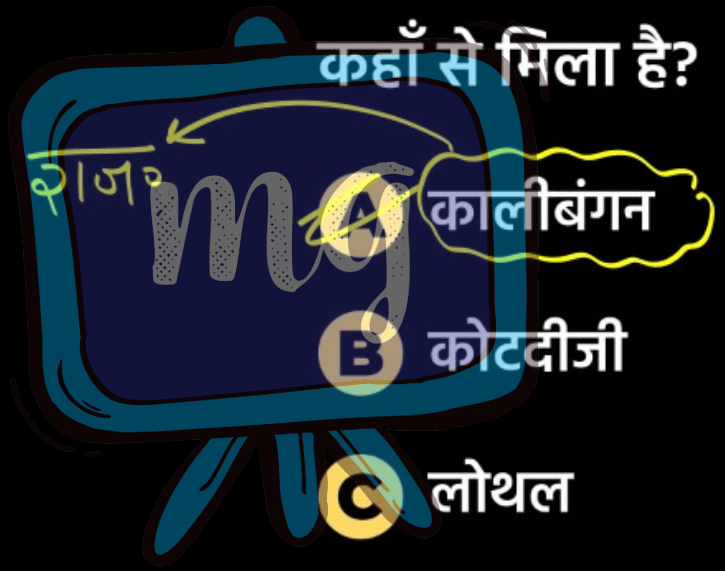

A कालीबंगन

B कोटदीजी

C लोथल

D धौलावीरा

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.16 हड़प्पाई वास्तुकला की प्रमुख विशिष्टता क्या थी?

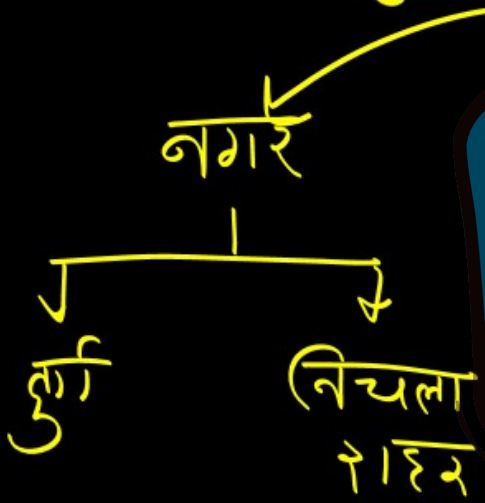

(A) सुनियोजित नगर-निर्माण एवं जल-निकास व्यवस्था

(B) मृतकों को गर्तों में दफनाना

(C) मनकों और शंख की वस्तुओं का निर्माण

(D) मुहरों पर पशुओं के चित्र बनाना

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न



Q.17 हड़प्पाई सड़कें और गलियाँ किस पद्धति से बनाई गई थीं?

A वृत्ताकार पद्धति

B ग्रिड पद्धति

C त्रिकोणीय पद्धति

D अर्धवृत्ताकार पद्धति

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.18 दुर्ग क्षेत्र ऊँचाई पर क्यों स्थित था?

A वहाँ लगभग 700 कुएँ बनाए गए थे।

B वहाँ मनकों का निर्माण होता था।

C वहाँ नहरों के अवशेष मिले थे।

D इसकी संरचनाएँ कच्ची ईंटों के ऊँचे चबूतरों पर बनी थीं।

1 Mark

Q.19 विशाल स्नानागार की सही विशेषता कौन-सी है?

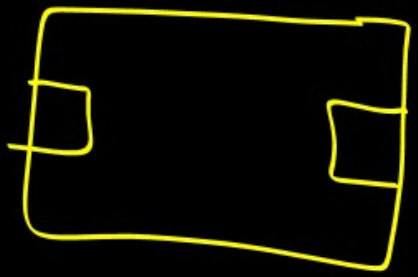

(A) इसके उत्तर और दक्षिण दोनों ओर सीढ़ियाँ थीं।

(B) इसमें लगभग 700 कुएँ थे।

(C) इसकी ईंटों का अनुपात 375:400 था।

(D) इसका प्रयोग मनके बनाने के लिए होता था।

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.20 मोहनजोदड़ो की बस्ती कितने भागों में विभाजित थी? (RBSE-2024)



(A) दो → दुर्ग
(B) तीन → निचला शहर
(C) चार
(D) पाँच

1 Mark

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उ० 20- (अ) दो



रिक्त स्थान

Q.1 6000 ई.पू. से 2600 ई.पू. तक के चरण को ..... कहा जाता है।



1 Mark

रिक्त स्थान

Q.1 6000 ई.पू. से 2600 ई.पू. तक के चरण को ..... कहा जाता है।

उत्तर : प्रारंभिक हड़प्पा

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.2 हड़प्पा सभ्यता का सबसे समृद्ध चरण ..... हड़प्पा कहलाता है।



1 Mark

Q.2 हड़प्पा सभ्यता का सबसे समृद्ध चरण ..... हड़प्पा कहलाता है।

उत्तर : परिपक्व

1 Mark

Q.3 धौलावीरा के जलाशयों का प्रयोग संभवतः ..... संचयन के लिए किया जाता था।



1 Mark

Q.3 धौलावीरा के जलाशयों का प्रयोग संभवतः ..... संचयन के लिए किया जाता था।

उत्तर : जल

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.4 विद्वानों ने अनुमान लगाया है कि मोहनजोदड़ो में कुओं की कुल संख्या लगभग ..... थी।

(RBSE-2026)

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.4 विद्वानों ने अनुमान लगाया है कि मोहनजोदड़ो में कुओं की कुल संख्या लगभग ..... थी।

(RBSE-2026)

उत्तर : 700

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.5 विशाल स्नानागार एक ..... जलाशय था।



1 Mark

रिक्त स्थान

Q.5 विशाल स्नानागार एक ..... जलाशय था।

उत्तर : आयतताकार



1 Mark

रिक्त स्थान

Q.6 दुर्ग की संरचनाएँ कच्ची ईंटों के ..... पर बनी थीं।



1 Mark

रिक्त स्थान

Q.6 दुर्ग की संरचनाएँ कच्ची ईंटों के ..... पर बनी थीं।

उत्तर : चबूतरों

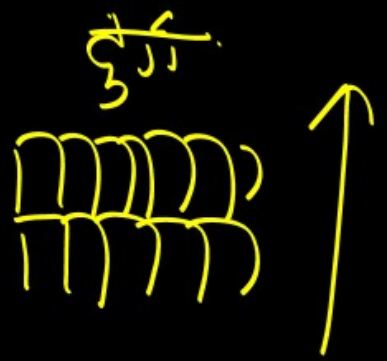

1 Mark

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा सभ्यता के पतन का आरंभ लगभग कब हुआ?



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा सभ्यता के पतन का आरंभ लगभग कब हुआ?

उत्तर : लगभग 1900 ई.पू. में।

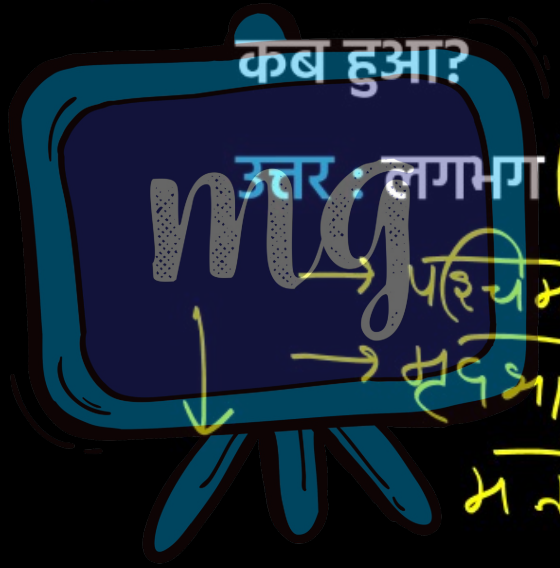

→ पश्चिम → पूर्व
→ हड़प्पा OS, पुरावस्तु कुछ
मनके

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 राखीगढ़ी कहाँ स्थित है?



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 राखीगढ़ी कहाँ स्थित है?

उत्तर : राखीगढ़ी हरियाणा के हिसार जिले में स्थित है।



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 उत्तर हड़प्पा काल का समय क्या था?



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 उत्तर हड़प्पा काल का समय क्या था?

उत्तर : 1900 ई.पू. से 1300 ई.पू. तक।



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 'सालन पत्थर' का संभावित प्रयोग क्या था?



Q.4 'सालन पत्थर' का संभावित प्रयोग क्या था?

उत्तर : जड़ी-बूटियों और मसालों को कूटने के लिए।



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 हड़प्पाई स्थलों से किन जंगली पशुओं की हड्डियाँ मिली हैं?



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 हड़प्पाई स्थलों से किन जंगली पशुओं की हड्डियाँ मिली हैं?

उत्तर : वराह, हिरण और घड़ियाल।

Q.6 कालीबंगन कहाँ स्थित है और यह किस प्रमाण के लिए प्रसिद्ध है?



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 कालीबंगन कहाँ स्थित है और यह किस प्रमाण के लिए प्रसिद्ध है?

उत्तर : कालीबंगन राजस्थान में स्थित है और यह जुते हुए खेत के प्रमाण के लिए प्रसिद्ध है।

Q.7 हड़प्पा सभ्यता में गलियों और सड़कों को किस पद्धति से बनाया गया था?

(Model Paper-2024)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.7 हड़प्पा सभ्यता में गलियों और सड़कों को किस पद्धति से बनाया गया था?

(Model Paper-2024)

उत्तर : गलियों और सड़कों को लगभग ग्रिड पद्धति से बनाया गया था। वे एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं।

Q.8 आज के स्विमिंग पूल हमें हड़प्पा सभ्यता की किस संरचना की याद दिलाते हैं?

(Model Paper-2023)

Q.8 आज के स्विमिंग पूल हमें हड़प्पा सभ्यता की किस संरचना की याद दिलाते हैं?

(Model Paper-2023)

उत्तर : विशाल स्नानागार।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.9 हड़प्पाई मुहरो पर क्या उत्कीर्ण किया गया है?

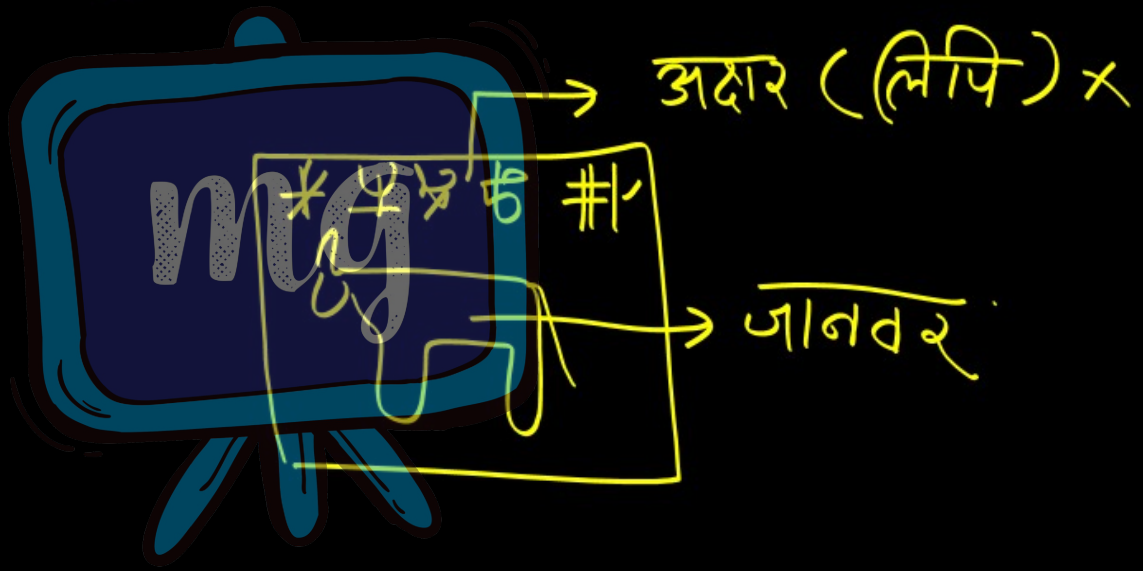

Q.9 हड़प्पाई मुहरो पर क्या उत्कीर्ण किया गया है?

उत्तर : जानवरों के चित्र तथा एक लिपि के चिन्ह जिन्हे अभी तक पढ़ा नहीं जा सका।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 फॉयान्स क्या हैं?



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 फॉयान्स क्या हैं?

उत्तर : घीसी हुई रेत अथवा बालू तथा रंग और चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाए गए पदार्थ जिनसे कीमती छोटे पात्र बनाए जाते थे।

Q.11 हड़प्पावासी तांबा कहां से प्राप्त करते थे?

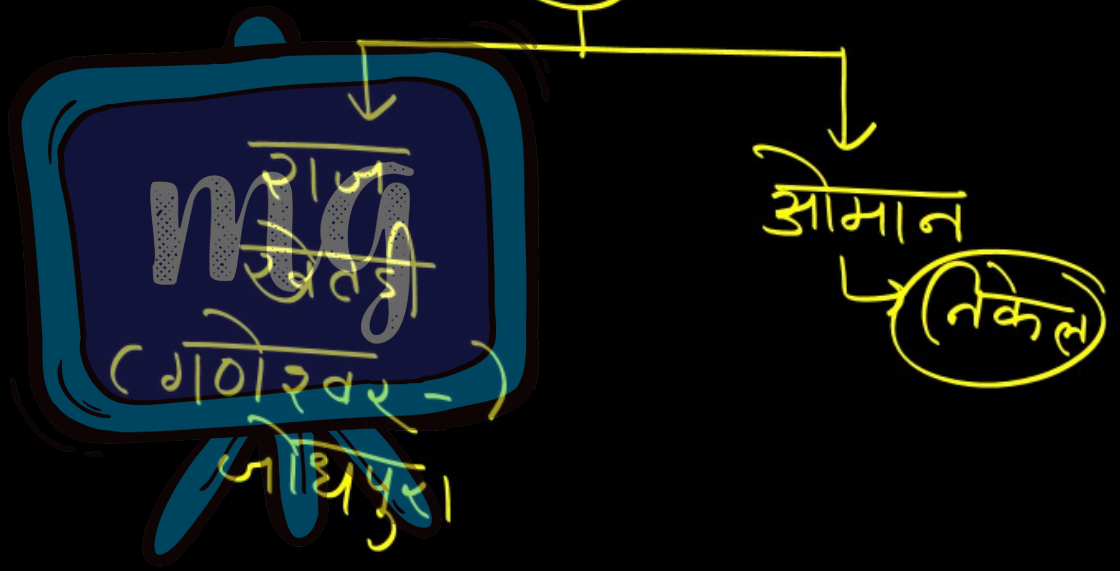

Q.11 हड़प्पावासी तांबा कहां से प्राप्त करते थे?

उत्तर : खेतड़ी क्षेत्र के गणेश्वर-जोधपुरा से तथा अरब प्रायद्वीप के दक्षिण पूर्वी छोर पर स्थित ओमान से।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.12 मिट्टी के हल के प्रतिरूप कहां से मिले है?



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.12 मिट्टी के हल के प्रतिरूप कहां से मिले है?

उत्तर : बनवाली (हरियाणा) तथा चोलीस्तान (पाकिस्तान) से।

Q.13 किस पुरास्थल से सिंचाई नहर के अवशेष मिले हैं?



Q.13 किस पुरास्थल से सिंचाई नहर के अवशेष मिले हैं?

उत्तर : अफगानिस्तान में शोर्तुघई।



② गुजरात धोलावीरा - जल संचयन

③ राज. कालीबंगा - जुते हुए खेत

⑤ पाक मोहनजोदड़ो। — मालगोदाम, पुरोहित राजा, नृत्य, स्नानागार

Q.14 सिंधु घाटी सभ्यता में अनाज पीसने का प्रमुख साधन क्या था–



Q.14 सिंधु घाटी सभ्यता में अनाज पीसने का प्रमुख साधन क्या था–

उत्तर : अवतल चक्कियां

Q.15 मनको में छेद करने के उपकरण कहां से मिले है?



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.15 मनको में छेद करने के उपकरण कहां से मिले है?

उत्तर : चन्हूदड़ो, लोथल तथा धोलावीरा में।

Q.16 लाजवर्द मणि का सबसे अच्छा स्त्रोत था?



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.16 लाजवर्द मणि का सबसे अच्छा स्त्रोत था?

उत्तर : सुदूर अफगानिस्तान में शोर्तुघई के निकट।



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.17 हड़प्पा काल में मोहर निर्माण हेतु सेलखड़ी कहां से प्राप्त की जाती थी?

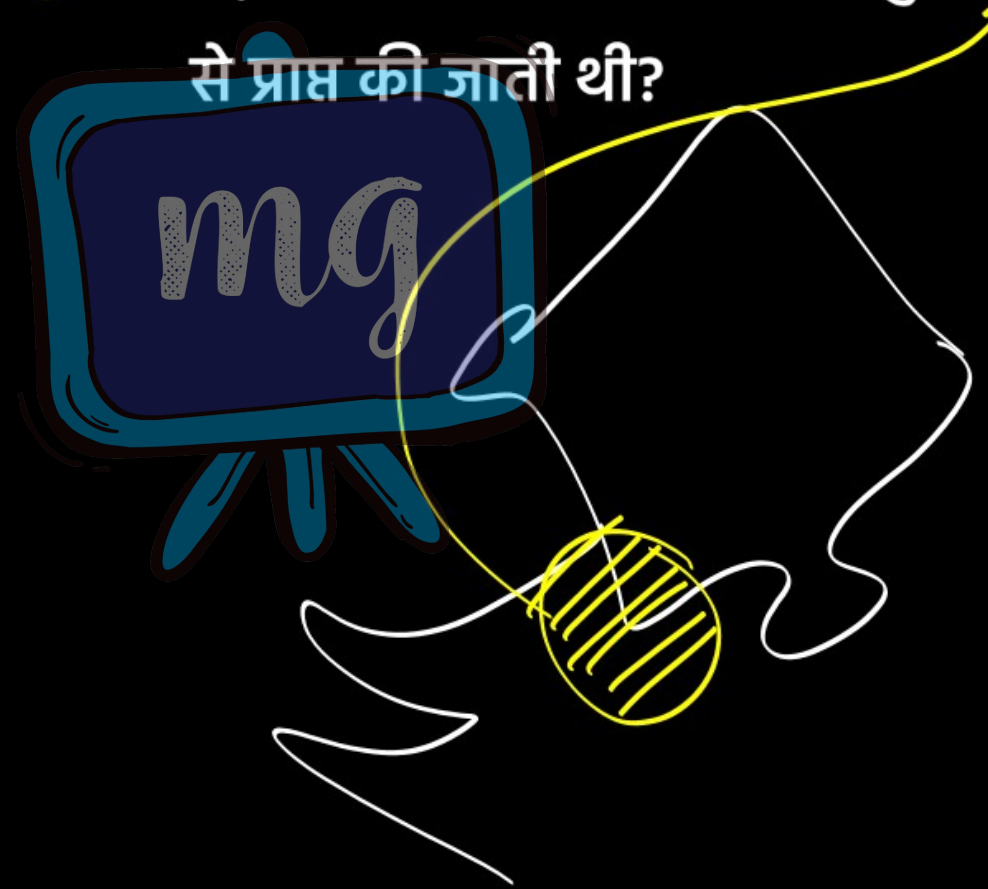

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.17 हड़प्पा काल में मोहर निर्माण हेतु सेलखड़ी कहां से प्राप्त की जाती थी?

उत्तर : दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.18 मेसोपोटामिया के लेख में दिलमून शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?



Q.18 मेसोपोटामिया के लेख में दिलमून शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर : बहरीन द्वीप के लिए।

मगान - ओमान
मेलुहा - इंडस घाटी

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा सभ्यता की तीन प्रमुख विशेषताएँ बताइए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा सभ्यता की तीन प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

1. सुनियोजित नगर एवं विकसित जल-निकास व्यवस्था।
2. मानकीकृत ईंटें, बाट और मुहरें।
3. विकसित शिल्प-उत्पादन और लंबी दूरी के संपर्क।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 किन्हीं तीन परिपक्व हड़प्पाई स्थलों के नाम लिखिए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 किन्हीं तीन परिपक्व हड़प्पाई स्थलों के नाम लिखिए।

उत्तर :

1. राखीगढ़ी
2. मोहनजोदड़ो
3. हड़प्पा

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 हड़प्पाई कृषि के संभावित सिंचाई साधन कौन-से थे?



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 हड़प्पाई कृषि के संभावित सिंचाई साधन कौन-से थे?

उत्तर :

- शोर्तुघई में नहरों के कुछ अवशेष मिले हैं।
- कुओं के पानी का प्रयोग संभवतः सिंचाई में किया जाता था।
- धौलावीरा के जलाशयों का प्रयोग संभवतः जल-संचयन के लिए किया जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 हड़प्पाई कृषि पद्धतियों की तीन विशेषताएँ बताइए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 हड़प्पाई कृषि पद्धतियों की तीन विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

1. पुरातत्वविदों के अनुसार खेत जोतने के लिए संभवतः बैलों का प्रयोग किया जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

2. कालीबंगन से जुते हुए खेत का प्रमाण मिला है।
3. समकोण पर काटती हल-रेखाएँ एक साथ दो अलग-अलग फसलें उगाने का संकेत देती हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 पुरातत्वविद हड़प्पावासियों की आहार संबंधी आदतों का पुनर्निर्माण कैसे करते हैं?



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 पुरातत्वविद हड़प्पावासियों की आहार संबंधी आदतों का पुनर्निर्माण कैसे करते हैं?

उत्तर :

1. जले हुए अनाज और बीजों का अध्ययन किया जाता है।
2. पुरा-वनस्पतिज्ञ प्राचीन वनस्पति के अवशेषों की पहचान करते हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. पशुओं की हड्डियों का अध्ययन किया जाता है।
4. पुरा-प्राणिविज्ञानी पालतू और जंगली पशुओं की पहचान करते हैं।
5. मछली और पक्षियों की हड्डियों से उनके भोजन में शामिल होने के संकेत मिलते हैं।
6. चक्कियों और बर्तनों से भोजन तैयार करने की विधियों का अनुमान लगाया जाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 सिंधु घाटी सभ्यता में सिंचाई के लिए किन-किन साधनों का प्रयोग किया जाता था? (RBSE-2025)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 सिंधु घाटी सभ्यता में सिंचाई के लिए किन-किन साधनों का प्रयोग किया जाता था? (RBSE-2025)

उत्तर :

1. शोर्तुघई से नहरों के कुछ अवशेष मिले हैं।
2. कुओं के पानी का प्रयोग संभवतः सिंचाई के लिए किया जाता था।
3. धौलावीरा के जलाशयों का प्रयोग संभवतः जल-संचयन के लिए किया जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

4. अधिकांश हड़प्पाई स्थल अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में स्थित थे, इसलिए कृषि के लिए सिंचाई की आवश्यकता रही होगी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.7 धौलावीरा किस कारण प्रसिद्ध है?



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.7 धौलावीरा किस कारण प्रसिद्ध है?

उत्तर :

- धौलावीरा की पूरी बस्ती किलेबंद थी। शहर के विभिन्न भाग दीवारों से अलग किए गए थे।
- यहाँ बड़े जलाशय तथा जल-संचयन व्यवस्था मिली है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.8 दुर्ग क्षेत्र की दो प्रमुख सार्वजनिक संरचनाओं के नाम लिखिए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.8 दुर्ग क्षेत्र की दो प्रमुख सार्वजनिक संरचनाओं के नाम लिखिए।

उत्तर :

1. मालगोदाम।
2. विशाल स्नानागार।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.9 हड़प्पाई नगर-योजना एवं जल-निकास व्यवस्था की विशेषताएँ बताइए।



Q.9 हड़प्पाई नगर-योजना एवं जल-निकास व्यवस्था की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

1. नगर सामान्यतः दुर्ग और निचले शहर में विभाजित थे।
2. सड़कें तथा गलियाँ ग्रिड पद्धति पर बनाई गई थीं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं।
4. घरों की नालियाँ गलियों की मुख्य नालियों से जुड़ी थीं।
5. मुख्य नालों को हटाई जा सकने वाली ईंटों से ढका गया था।
6. ठोस पदार्थ एकत्र करने और सफाई के लिए हौदियाँ तथा मलकुंड बनाए गए थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 हड़प्पावासियों की स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता स्पष्ट कीजिए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 हड़प्पावासियों की स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. हर घर में ईंटों के फर्श वाला स्नानघर होता था।
2. घरों का गंदा पानी व्यवस्थित नालियों में जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. ठोस पदार्थ एकत्र करने के लिए हौदियाँ या मलकुंड बनाए गए थे।
4. मुख्य नालियाँ ढकी हुई थीं और उनकी सफाई की जा सकती थी।
5. लंबे नालों में कुछ अंतरालों पर सफाई के लिए हौदियाँ बनी थीं।
6. छोटी बस्तियों में भी जल-निकास व्यवस्था मिली है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा संस्कृति के विकास में प्रारंभिक कृषक समुदायों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा संस्कृति के विकास में प्रारंभिक कृषक समुदायों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- हड़प्पा सभ्यता से पूर्व इस क्षेत्र में अनेक प्रारंभिक संस्कृतियाँ विद्यमान थीं।
- इनमें कृषि, पशुपालन और शिल्पकारी के प्रमाण मिलते हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

- प्रारंभिक बस्तियाँ सामान्यतः छोटी थीं तथा उनमें बड़ी संरचनाओं का अभाव था।
- पुरातात्विक साक्ष्य लगभग 7000 ई.पू. के कृषक समुदायों की उपस्थिति दर्शाते हैं।
- इन्हीं समुदायों की पृष्ठभूमि में प्रारंभिक हड़प्पा संस्कृति का विकास हुआ।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 हड़प्पावासियों के निर्वाह के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए।



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 हड़प्पावासियों के निर्वाह के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- हड़प्पा स्थलों से गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा और थोड़ी मात्रा में चावल के दाने मिले हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पुरातत्वविदों के अनुसार खेत जोतने के लिए संभवतः बैलों का प्रयोग किया जाता था।
- कालीबंगन की समकोण पर काटती हल-रेखाएँ एक साथ दो अलग-अलग फसलें उगाने का संकेत देती हैं।
- मवेशी, भेड़, बकरी, भैंस और सूअर पालतू पशु थे।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

- जंगली वराह, हिरण और घड़ियाल की हड्डियाँ भी मिली हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि हड़प्पावासी स्वयं उनका शिकार करते थे या उनका मांस आखेटक समुदायों से प्राप्त करते थे।
- मछली और पक्षियों की हड्डियाँ भी मिली हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पेड़-पौधों से प्राप्त उत्पादों का भोजन के रूप में उपयोग किया जाता था।
- अनाज पीसने के लिए अवतल चक्कियाँ तथा जड़ी-बूटियाँ और मसाले कूटने के लिए सालन पत्थर प्रयोग किए जाते थे।
- भोजन मिलाने और पकाने के लिए पत्थर, धातु तथा मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग किया जाता था।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 हड़प्पा सभ्यता में कृषि प्रौद्योगिकी से जुड़े प्रमाणों की व्याख्या कीजिए।



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 हड़प्पा सभ्यता में कृषि प्रौद्योगिकी से जुड़े प्रमाणों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

- अनाज के दाने हड़प्पाई कृषि के प्रमुख प्रमाण हैं।
- वास्तविक कृषि विधियों की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मुहरों और मृण्मूर्तियों पर वृषभ का चित्रण मिलता है।
- इसके आधार पर पुरातत्वविद मानते हैं कि खेत जोतने के लिए बैलों का प्रयोग होता था।
- चोलिस्तान के कई स्थलों और बनावली से मिट्टी के हल के प्रतिरुप मिले हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

- कालीबंगन से जुते हुए खेत का प्रमाण मिला है।
- हल-रेखाओं के दो समूह एक-दूसरे को समकोण पर काटते थे।
- इससे एक साथ दो अलग-अलग फसलें उगाने का संकेत मिलता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 दुर्ग और निचले शहर में अंतर स्पष्ट कीजिए।



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

उत्तर :

आधार	दुर्ग	निचला शहर
आकार	आकार में छोटा	आकार में अधिक बड़ा
स्थिति	अधिक ऊँचाई पर स्थित	अपेक्षाकृत नीचे स्थित
निर्माण	कच्ची ईंटों के ऊँचे चबूतरों पर निर्मित	अनेक भवन ऊँचे चबूतरों पर निर्मित
घेराबंदी	दीवार से घिरा हुआ	दीवार से घिरा हुआ
स्वरूप	विशिष्ट सार्वजनिक संरचनाओं वाला क्षेत्र	मुख्यतः आवासीय क्षेत्र
प्रमुख संरचनाएँ	मालगोदाम और विशाल स्नानागार	आँगन वाले घर, स्नानघर और कुएँ
नगर व्यवस्था	विशिष्ट सार्वजनिक भवनों की व्यवस्था	ग्रिड पद्धति की सड़कें और नालियाँ

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 दुर्ग क्षेत्र में स्थित अन्य संरचनाओं का वर्णन कीजिए।



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 दुर्ग क्षेत्र में स्थित अन्य संरचनाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- विशाल स्नानागार के तीनों ओर कक्ष बने थे।
- एक कक्ष में बड़ा कुआँ था।
- जलाशय का पानी एक बड़े नाले में बह जाता था।
- स्नानागार के उत्तर में आठ स्नानघरों वाली संरचना थी।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

- एक गलियारे के दोनों ओर चार-चार स्नानघर बने थे।
- प्रत्येक स्नानघर की नाली गलियारे के साथ बने नाले से जुड़ी थी।
- इन संरचनाओं का प्रयोग संभवतः विशिष्ट सार्वजनिक अथवा आनुष्ठानिक प्रयोजनों के लिए किया जाता था।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था। स्पष्ट कीजिए। (RBSE–2025)

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था। स्पष्ट कीजिए। (RBSE–2025)

उत्तर :

- हड़प्पाई नगर पूर्व नियोजित थे।
- नगर सामान्यतः दुर्ग और निचले शहर में विभाजित थे।
- सड़कें और गलियाँ ग्रिड पद्धति पर बनी थीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पहले नालियों के साथ गलियाँ बनाई गईं और फिर उनके अगल-बगल आवासों का निर्माण किया गया।
- पूरे हड़प्पाई क्षेत्र में मानकीकृत ईंटों का प्रयोग होता था।
- घरों में आँगन, स्नानघर और कुएँ थे।
- जल-निकास व्यवस्था अत्यंत विकसित थी।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

- विशाल स्नानागार और मालगोदाम जैसी सार्वजनिक संरचनाएँ थीं।
- विशाल निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर श्रम लगाया गया था।
- लोथल और धौलावीरा में नगर-नियोजन की स्थानीय विविधताएँ दिखाई देती हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.7 हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था। स्पष्ट कीजिए। (Model Paper–2025)

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.7 हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था। स्पष्ट कीजिए। (Model Paper–2025)

उत्तर :

- मोहनजोदड़ो दुर्ग और निचले शहर में विभाजित था।
- दुर्ग छोटा, ऊँचा तथा दीवार से घिरा था।
- निचला शहर बड़ा और मुख्यतः आवासीय क्षेत्र था।
- सड़कें और गलियाँ ग्रिड पद्धति से बनी थीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यहाँ विकसित जल-निकास प्रणाली थी।
- घर आँगन के चारों ओर बने थे।
- घरों में स्नानघर और उनसे जुड़ी नालियाँ थीं।
- यहाँ लगभग 700 कुएँ होने का अनुमान है।
- दुर्ग में मालगोदाम और विशाल स्नानागार थे।
- मानकीकृत ईंटें और विशाल चबूतरे पूर्व नियोजन तथा बड़े पैमाने पर श्रम की आवश्यकता दर्शाते हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.1 सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए। (Model Paper-2024)

निबंधात्मक प्रश्न

Q.1 सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए। (Model Paper-2024)

उत्तर :

- परिपक्व हड़प्पा काल हड़प्पा सभ्यता का सबसे समृद्ध चरण था।
- इस काल में सुनियोजित नगरों का विकास हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

निबंधात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- नगर सामान्यतः दुर्ग और निचले शहर में विभाजित थे।
- सड़कों का निर्माण ग्रिड पद्धति से किया गया था।
- जल-निकास व्यवस्था अत्यंत विकसित थी।
- निश्चित अनुपात की पकी और कच्ची ईंटों का प्रयोग होता था।

निबंधात्मक प्रश्न

- घरों में आँगन, स्नानघर, कुएँ और नालियाँ होती थीं।
- विशाल स्नानागार और मालगोदाम जैसी सार्वजनिक संरचनाएँ बनाई गई थीं।
- पेड़-पौधों तथा पशुओं, जिनमें मछली भी शामिल थी, से भोजन प्राप्त किया जाता था।

निबंधात्मक प्रश्न

- गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा और थोड़ी मात्रा में चावल के प्रमाण मिले हैं।
- मनके, मुहरें, बाट, शंख और धातु की वस्तुएँ बनाई जाती थीं।
- शिल्प-उत्पादन के लिए विशेष केंद्र स्थापित थे।

निबंधात्मक प्रश्न

- ओमान, बहरीन और मेसोपोटामिया जैसे सुदूर क्षेत्रों से संपर्क के संकेत मिले हैं।
- बाटों, ईंटों, मृदभाण्डों और मुहरों में एकरूपता पाई जाती थी।
- हड़प्पाई लिपि अब तक पढ़ी नहीं जा सकी है।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.2 भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए–

1. मोहनजोदड़ो, हड़प्पा और धौलावीरा
2. राखीगढ़ी (RBSE-2026, RBSE-2024)
3. मितथल, मांडा और रंगपुर

(RBSE-2026, RBSE-2024, RBSE-2023)

निबंधात्मक प्रश्न

Q.3 सिंधु घाटी सभ्यता के निर्वाह के तरीकों से सिंधुवासियों की किन गतिविधियों का अनुमान लगाया जा सकता है? (Model Paper—2026)

निबंधात्मक प्रश्न

Q.3 सिंधु घाटी सभ्यता के निर्वाह के तरीकों से सिंधुवासियों की किन गतिविधियों का अनुमान लगाया जा सकता है? (Model Paper—2026)

उत्तर :

- सिंधुवासी गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना और तिल की खेती करते थे।
- गुजरात के स्थलों पर बाजरे के दाने मिले हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

- चावल के प्रमाण अपेक्षाकृत कम मिले हैं।
- वे मवेशी, भेड़, बकरी, भैंस और सूअर पालते थे।
- मछली और पक्षियों से भी भोजन प्राप्त किया जाता था।
- जंगली वराह, हिरण और घड़ियाल की हड्डियाँ मिली हैं, लेकिन उनके शिकार के विषय में निश्चित जानकारी नहीं है।

निबंधात्मक प्रश्न

- खेत जोतने के लिए संभवतः बैलों का उपयोग होता था।
- बनावली और चोलिस्तान से मिट्टी के हल के प्रतिरूप मिले हैं।
- कालीबंगन से जुते हुए खेत का प्रमाण मिला है।
- सिंचाई के लिए नहरों, कुओं और जलाशयों का प्रयोग संभव था।

निबंधात्मक प्रश्न

- अनाज पीसने के लिए पत्थर की चक्कियाँ प्रयोग की जाती थीं।
- खेती, पशुपालन, पेड़-पौधों से उत्पाद प्राप्त करना तथा खाद्य सामग्री तैयार करना निर्वाह की प्रमुख गतिविधियाँ थीं।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.4 भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए–

धौलावीरा और कालीबंगन को भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए।



निबंधात्मक प्रश्न

Q.5 सिंधु घाटी सभ्यता के नगर नियोजन से लोगों की जीवनशैली और बुद्धिमत्ता का क्या पता चलता है?

(RBSE–2026)

निबंधात्मक प्रश्न

Q.5 सिंधु घाटी सभ्यता के नगर नियोजन से लोगों की जीवनशैली और बुद्धिमत्ता का क्या पता चलता है?

(RBSE–2026)

उत्तर :

- नगर-नियोजन उनकी विकसित निर्माण तकनीक और सुव्यवस्थित जीवन का संकेत देता है।

निबंधात्मक प्रश्न

- नगर दुर्ग और निचले शहर में विभाजित थे।
- पूरी बस्ती का निर्माण पूर्व योजना के अनुसार किया गया था।
- सड़कें ग्रिड पद्धति पर बनी थीं और समकोण पर काटती थीं।
- पहले नालियों के साथ गलियाँ बनाई गईं और बाद में उनके अगल-बगल आवास बने।

निबंधात्मक प्रश्न

- प्रत्येक घर का स्नानघर गली की नाली से जुड़ा था।
- नालियाँ ढकी हुई और सफाई योग्य थीं।
- ठोस पदार्थ एकत्र करने के लिए हौदियाँ बनाई गई थीं।
- समान अनुपात की ईंटें मानकीकरण दर्शाती हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

- घरों में आँगन, स्नानघर, कुएँ और सीढ़ियाँ थीं।
- घरों की बनावट में एकांतता का ध्यान रखा गया था।
- विशाल स्नानागार में जलबद्ध निर्माण तकनीक का प्रयोग किया गया था।
- विशाल निर्माणों के लिए बड़े पैमाने पर श्रम की आवश्यकता थी।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.6 सिंधु घाटी सभ्यता के गृह स्थापत्य पर प्रकाश डालिए। (RBSE–2023)



निबंधात्मक प्रश्न

Q.6 सिंधु घाटी सभ्यता के गृह स्थापत्य पर प्रकाश डालिए। (RBSE–2023)

उत्तर :

- मोहनजोदड़ो के निचले शहर में आवासीय भवन मिले हैं।
- अधिकांश घर आँगन के चारों ओर बने थे।
- आँगन खाना पकाने और कताई जैसी गतिविधियों का मुख्य केंद्र था।

निबंधात्मक प्रश्न

- भूमि तल की दीवारों में खिड़कियाँ नहीं थीं।
- मुख्य द्वार से घर का आंतरिक भाग या आँगन सीधे दिखाई नहीं देता था।
- यह लोगों द्वारा एकांतता को दिए गए महत्त्व का संकेत है।
- हर घर में ईंटों के फर्श वाला स्नानघर था।

निबंधात्मक प्रश्न

- घरेलू नालियाँ सड़क की नालियों से जुड़ी थीं।
- कुछ घरों में दूसरे तल या छत पर जाने के लिए सीढ़ियाँ थीं।
- अनेक घरों में कुएँ बने थे।
- कुछ कुओं तक बाहर से भी पहुँचा जा सकता था।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.7 मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार की बनावट एवं महत्व पर प्रकाश डालिए। (RBSE–2023)



निबंधात्मक प्रश्न

Q.7 मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार की बनावट एवं महत्व पर प्रकाश डालिए। (RBSE–2023)

उत्तर :

- विशाल स्नानागार दुर्ग क्षेत्र में बना आयताकार जलाशय था।
- यह चारों ओर से एक गलियारे से घिरा था।

निबंधात्मक प्रश्न

- इसके उत्तर और दक्षिण दिशा में सीढ़ियाँ थीं।
- ईंटों और जिप्सम के गारे से इसे जलबद्ध बनाया गया था।
- इसके तीनों ओर कक्ष बने थे।
- एक कक्ष में बड़ा कुआँ था।

निबंधात्मक प्रश्न

- जलाशय का पानी एक बड़े नाले में बह जाता था।
- इसके उत्तर में आठ स्नानघरों वाली संरचना थी।
- इसका प्रयोग संभवतः किसी प्रकार के विशेष आनुष्ठानिक स्नान के लिए होता था।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.8 सिंधु सभ्यता के गृह स्थापत्य की कौन-कौन सी विशेषताएँ आज भी प्रासंगिक हैं? (RBSE–2022)



निबंधात्मक प्रश्न

Q.8 सिंधु सभ्यता के गृह स्थापत्य की कौन-कौन सी विशेषताएँ आज भी प्रासंगिक हैं? (RBSE–2022)

उत्तर :

- आँगन के चारों ओर कमरों का निर्माण।
- प्रत्येक घर में अलग स्नानघर की व्यवस्था।
- घरेलू नालियों को गलियों की मुख्य नालियों से जोड़ना।

निबंधात्मक प्रश्न

- नालियों को ढकना और उनकी सफाई की व्यवस्था रखना।
- ठोस पदार्थों के लिए हौदी या मलकुंड बनाना।
- घरों की एकांतता बनाए रखना।
- आवासों में कुओं की व्यवस्था करना।

निबंधात्मक प्रश्न

- दूसरे तल या छत तक जाने के लिए सीढ़ियों का प्रयोग करना।
- नियोजित सड़कों और गलियों के अनुसार घर बनाना।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.9 मोहनजोदड़ो का निचला शहर दुर्ग से किस प्रकार भिन्न था? क्या दुर्ग पर अन्य संरचनाएँ भी थीं?

(Model Paper–2023)

निबंधात्मक प्रश्न

उत्तर :

आधार	दुर्ग	निचला शहर
आकार एवं स्थिति	छोटा और ऊँचा भाग	बड़ा और अपेक्षाकृत नीचे स्थित भाग
निर्माण	कच्ची ईंटों के ऊँचे चबूतरों पर निर्मित	मुख्यतः आवासीय क्षेत्र
घेराबंदी	दीवार द्वारा अलग किया गया	आँगन के चारों ओर बने घर
प्रमुख संरचनाएँ	मालगोदाम और विशाल स्नानागार	स्नानघर, कुएँ और घरेलू नालियाँ
स्वरूप एवं व्यवस्था	विशिष्ट सार्वजनिक संरचनाओं वाला क्षेत्र	ग्रिड पद्धति की सड़कें और गलियाँ

दुर्ग पर स्थित अन्य संरचनाएँ–

- विशाल स्नानागार के उत्तर में आठ स्नानघरों वाली संरचना थी।
- गलियारे के दोनों ओर चार-चार स्नानघर बने हुए थे।
- प्रत्येक स्नानघर की नाली गलियारे के साथ बने नाले से जुड़ी हुई थी।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.10 भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए

(RBSE-2025, RBSE-2023)



धौलावीरा को भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

Q11. पुरातत्ववेत्ताओं को ऐसे कौन से साक्ष्य मिले हैं जिनसे पता चलता है कि हड़प्पावासियों का सुदूर देशों से संपर्क था? क्या इससे पता चलता है कि संपर्क से एक-दूसरे के साथ अच्छे व्यापारिक रिश्ते साबित हुए

अथवा

हड़प्पावासियों ने किस सीमा तक विश्व के साथ व्यापारिक संबंध स्थापित किये थे?

निबंधात्मक प्रश्न

उत्तर : पुरातत्वविदों को ऐसे कई सबूत मिले हैं जिनसे पता चलता है कि हड़प्पावासियों का संपर्क सुदूर देशों से था। महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं

1. हाल की पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि तांबा संभवत: अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पूर्वी सिरे पर स्थित ओमान से लाया गया था। इसके अलावा रासायनिक विश्लेषण से ओमानी तांबे और हड़प्पा दोनों कलाकृतियों में निकल के निशान साबित हुए हैं। इससे दोनों की एक समान उत्पत्ति का पता चलता है।

निबंधात्मक प्रश्न

2. ओमानी स्थलों पर काली मिट्टी की मोटी परत से लेपित एक बड़ा हड़प्पाकालीन जार मिला था। यह संभव है कि हड़प्पावासियों ने इन जहाजों की सामग्री को ओमानी तांबे से बदल दिया हो।
3. तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के मेसोपोटामिया ग्रंथों में उल्लेख किया गया है कि तांबा मगन नामक क्षेत्र से आया था। इतिहासकारों ने सोचा कि शायद यह ओमान का दूसरा नाम है।

मेसोपोटामिया के ग्रंथों में दिलमुन (संभवतः बहरीन द्वीप), मगन और मेलुहा, संभवतः हड़प्पा क्षेत्र नामक क्षेत्रों के साथ संपर्क का भी उल्लेख किया गया है। मेलुहा नाविकों की भूमि थी। मेलुहा के कई उत्पादों का जिक्र किया गया. ये कार्नेलियन, लापीस लाजुली, तांबा, सोना और लकड़ी की किस्में थीं।

4. अन्य पुरातात्विक खोजों से लंबी दूरी के संपर्क का पता चलता है जिसमें हड़प्पा की मुहरें, बाट, पासे और मोती शामिल हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

इन सभी साक्ष्यों से पता चलता है कि हड़प्पा सभ्यता समुद्र के रास्ते ओमान, बहरीन या मेसोपोटामिया से जुड़ी हुई थी।

5. मुहरों पर जहाजों और नावों का चित्रण विभिन्न देशों के बीच व्यापार संबंधों को दर्शाता है।
6. मेसोपोटामिया में पाए गए सिलेंडर सील में कूबड़ वाले बैल की आकृति है जिसे सिंधु क्षेत्र से प्राप्त किया जा सकता है। बहरीन में पाई जाने वाली गोल फारस की खाड़ी की सील पर कभी-कभी हड़प्पा रुपांकनों का चित्रण मिलता है।

निबंधात्मक प्रश्न

स्थानीय 'दिलमुन' बाटों ने हड़प्पा मानक का अनुसरण किया।

इन सभी साक्ष्यों से पता चलता है कि हड़प्पा सभ्यता के अन्य क्षेत्रों के साथ अच्छे व्यापारिक संबंध थे।



निबंधात्मक प्रश्न

Q.12 मोहनजोदड़ो की स्थापत्य विशेषताएं किस प्रकार योजना का संकेत देती हैं? उदाहरण सहित कथन का समर्थन करें।

निबंधात्मक प्रश्न

उत्तर: हड़प्पा सभ्यता की सबसे अनोखी विशेषता शहरी केंद्रों का विकास था। मोहनजोदड़ो हड़प्पा सभ्यता का सबसे प्रसिद्ध स्थल है।

मोहनजोदड़ो की सबसे अनोखी स्थापत्य विशेषता निम्नलिखित हैं: गढ़ यह छोटा लेकिन ऊंचा था। यह दीवार से घिरा हुआ था और निचले शहर से भौतिक रूप से अलग था। यहां इमारतों का निर्माण मिट्टी, ईंटों के चबूतरे से किया गया था।

निबंधात्मक प्रश्न

यहां हमें कुछ ऐसी संरचनाएं मिलीं जिनका उपयोग संभवतः विशेष सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था।

इनमें गोदाम, एक विशाल संरचना और 'ग्रेट बाथ' शामिल हैं। 'ग्रेट बाथ' की संरचना की विशिष्टता से पता चलता है कि यह किसी प्रकार के विशेष अनुष्ठान स्नान के लिए बनाया गया था।

निचला शहर निचला शहर भी दीवारों से घिरा हुआ था।

निबंधात्मक प्रश्न

कई इमारतें प्लेटफार्मों पर बनाई गईं, जो नींव के रूप में काम करती थीं। शहर के भीतर सभी निर्माण गतिविधियाँ प्लेटफार्मों पर एक निश्चित क्षेत्र तक ही सीमित थीं। सभी हड़प्पा बस्तियों में धूप में सुखाई गई या पकी हुई ईंटों का उपयोग किया जाता था।

घरों का आंगन खाना पकाने और बुनाई जैसी गतिविधियों का केंद्र था, खासकर गर्म और शुष्क मौसम के दौरान। ज़मीनी स्तर की दीवारों में कोई खिड़कियाँ नहीं थीं।

निबंधात्मक प्रश्न

इसके अलावा, मुख्य, प्रवेश द्वार से आंतरिक भाग या आंगन का सीधा दृश्य नहीं दिखता था।

जल निकासी व्यवस्था मोहनजोदड़ो में जल निकासी व्यवस्था की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई थी। सड़कें और सड़कें लगभग 'ग्रिड' पैटर्न के अनुसार बनाई गई थीं, जो समकोण पर प्रतिच्छेद करती थीं। ऐसा लगता है कि पहले नालियों वाली सड़कें बनाई गईं और फिर उनके किनारे घर बनाए गए।

निबंधात्मक प्रश्न

प्रत्येक घर में ईंटों से पक्का अपना बाथरूम होता था, जिसकी नालियाँ दीवारों के माध्यम से सड़क की नालियों से जुड़ी होती थीं। जल निकासी प्रणालियाँ न केवल बड़े शहरों के लिए अद्वितीय थीं, बल्कि छोटी बस्तियों में भी पाई जाती थीं। इन सभी विशेषताओं से पता चलता है कि मोहनजोदड़ो में एक सुनियोजित वास्तुशिल्प प्रणाली थी।